12.05 hrs.

Title: Regarding reported attack on CPI (M) Central Committee Office in New Delhi by members of Sangh Parivar.

MR. SPEAKER: Hon. Members, I come to important matters. I have committed myself that after the Question Hour, I will allow all parties because on the matter, I have got notices from some of the parties and also the main Opposition Party. I will give chance. Please put forth your views. I am not stopping it. Please listen to each other so that ultimately we can have some result out of this discussion. If the Government wants, they can also respond.

मोहम्मद सलीम (कलकत्ता - उत्तर पूर्व) : अध्यक्ष महोदय, हम भी यही चाहते थे कि संसद का अधिवेशन चले और पूश्न-काल भी हो, चूंकि संसदीय लोकतंत्र में यह जरूरी है। हमारी पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में सात तारीख से कल तक, जब केन्द्र कार्यकारिणी की बैठक चल रही थी तो उस समय हमले हुए। यह जो लोकतांत्रिक परम्परा है, इसमें अलग-अलग दल के अलग-अलग मत होंगे।[rep1]

लेकिन संसदीय पूणाली में सभी दलों को [r2]अपना राजनीतिक काम-काज करने का अधिकार है, फिर वह चाहे ए.आई.सी.सी. का अधिवेशन हो, भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हो, सी.पी.आई.(एम), सी.पी.आई., जनता दल (यू) की अपनी-अपनी कार्यकारिणी की बैठकें हों। आज तक इस देश में ऐसी परम्परा नहीं डली कि किसी की बैठक हो और बाहर से जाकर कोई हमला करे। वह अनप्रोवोक्ड हमला था। कोई पूदर्शन भी नहीं था। हम तो यह समझ भी नहीं पा रहे थे कि वे कौन लोग हैं, क्योंकि मैं खुद बैठक में उपस्थित था, हमारी संसद के दोनों सदनों के नेता, उपनेता और बाकी सब लोग भी थे, लेकिन पता नहीं लगा कि वे कौन लोग थे। उनके पास न कोई झंडा था, न कोई साइन बोर्ड था और न ही कोई फैस्टून था। राजनीतिक पूदर्शन होने से पूदर्शनकारी अपनी आईडेंटिटी लेकर आते हैं, कोई निशान लेकर आते हैं या झंडा लेकर आते हैं, लेकिन वे लोग कुछ भी नहीं लिए हुए थे। जिस पूकार से वहां पथराव हुआ, उसमें हमारी कार्यकारिणी के, सेंट्रल कमेटी के छः सदस्य घायल हुए और हमारे दफ्तर में जो लोग थे, वे घायल हुए।

महोदय, हमारे देश में जो सहिष्णुता और सहनशीलता की बात है, यह भी इसके विरोध में है क्योंकि हमलावरों ने आकर सीधा हमला किया, कोई पूदर्शन नहीं किया। दो रोज से पूदर्शन करने वाली बात थी। उसके लिए पुलिस का भी बंदोबस्त था। पूदर्शनकारियों को संसद के समक्ष आने से या किसी के पास जाने से पहले ही काफी दूर रोक दिया जाता है। पुलिस इस पूकार का बन्दोबस्त करती है। कल भी ऐसा था कि पूदर्शनकारियों को कहीं रोका गया था, लेकिन कुछ लोग गाड़ी में आए। गाड़ी पार्क की और गाड़ी में वे लोग पत्थर और कांक्रीट स्लेब लेकर आए और सीधा हमला कर दिया। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोगों को बोलने का मौका दिया जाएगा। हमने कहा है कि हम आपको बोलने का मौका देंगे। सबको मौका दिया जाएगा। I will ask you to please be brief.

...(*Interruptions*)

मोहम्मद सलीम : महोदय, मैं किसी के ऊपर कोई लांछन नहीं लगा रहा हूं। जो घटना हुई है, उसे मैं आपके सम्मुख बता रहा हूं। The House is the custodian of democratic system in this country. ...(*Interruptions*)

हमारे दल के राज्य सभा के नेता श्री सीताराम येचुरी जी, हमारी पार्टी के जो जनरल सैक्रेट्री हैं श्री पूकाश करात और राज्य सभा की सदस्य कॉमरेड वृन्दा करात ने अपनी गाड़ियां हमारे पार्टी ऑफिस में पार्क कर रखी थीं। हमारे पास ज्यादा गाड़ियां नहीं होती हैं, लेकिन चूंकि हमारी कार्यकारिणी की बैठक थी, इसलिए तीन गाड़ियां ऑफिस में पार्क की थीं। उन तीनों गाड़ियों के पीछे के ग्लासेस को तोड़ा गया, पत्थर फेंका गया, मारा गया, दफ्तर के अंदर घुस कर हमला करने की कोशिश की गई। तब तक हमें पता नहीं था कि वे कौन लोग थे। अगर कोई राजनीतिक कार्यकर्ता होते, कोई राजनीतिक संगठन होता, तो वे लोग अपना झंडा लेकर आते और अपने फैस्टून लेकर पूदर्शन करते, लेकिन जो भी थे, वे अपने इस काम से खुद शर्मिन्दा थे। इसीलिए वे अपने झंडे या फैस्टून लेकर नहीं आए, अपनी आइडेंटिटी लेकर नहीं आए, क्योंकि वे जानते थे कि यह घिनौना काम है। मैं समझता हूं कि उनके इस कार्य के बारे में पूरी संसद, सदन के सभी लोग, राजनीति से ऊपर उठकर विचार करें क्योंकि आज हमारे दफ्तर पर हमला हुआ है, कल किसी के भी दफ्तर पर हमला हो सकता है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप चुप रहिए। आपके लीडर बोलेंगे।

â€¦(व्यवधान)

मोहम्मद सलीम : महोदय, कहीं पर भी किसी भी पूकार के विरोध का मामला हो, जो हमारा पॉलीटिकल विरोध है, उसे लेकर, यदि कोई पत्थर से, लोहे से या सीमेंट के स्क्रैप को लेकर हमला करता है, जानलेवा हमला करता है, दफ्तर पर हमला करता है, तो यह देश के लोक तंत्र के लिए एक बहुत बड़ा कलंक है। जब पुलिस आई, उसने टीयर गैस के सैल तोड़े, तो भगदड़ में वहीं पर 15 लोग पकड़े गए। वहां से 15 लोगों को पुलिस ने गाड़ी में बैठाया, उनमें से चार भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली के चुने हुए कार्पोरेटर थे। दो Ex. M.L.A. थे सर, जो लोग गाड़ी में पत्थर लाए थे, टीयर गैस के सैल्स फोड़ने के समय, वे लोग गाड़ी छोड़ कर भाग गए। जब पुलिस की ब्रेक वैन उस गाड़ी को लेकर गई, तब देखा कि उस गाड़ी में बी.जे.पी. का झंडा लगा था। पूदर्शनकारियों के पास कोई झंड़ा नहीं था। वे लोग जो प्लेकैर्ड लेकर आए थे, उनमें भी कोई नाम नहीं था।

महोदय, मैं भारतीय जनता पार्टी के ऊपर कोई लांछन नहीं लगा रहा हूं। मैं नहीं समझता कि भारतीय जनता पार्टी के केन्द्रीय नेतागण निर्णय लेकर कोई ऐसा काम करेंगे या ऐसे काम का समर्थन करेंगे। ...(व्यवधान) मुझ पर भरोसा रखें, मैं वह भी बोल रहा हूं।

महोदय, यह जो कल्चर ऑफ वॉयलेंस या हिंसक राजनीति है, इसका हम विरोध करते हैं, किसी से अगर राजनीतिक विरोध है तो उसे हम एलीमिनेट करेंगे, इसे हम खत्म

करेंगे। *(Interruptions)* â€¦* यह राजनीति हम नहीं चलने देंगे। ...(व्यवधान)

महोदय, अभी तक तो मैं बोला नहीं कि चोर कौन है या हमलावर कौन है। सर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक [r3]संघ ने, आर.एस.एस. ने स्वयं प्रैस कॉंफ्रेंस कर के इसकी जिम्मेदारी ली है कि उन्होंने हमला किया है। [r4]

भारतीय जनता पार्टी के चुने हुए सदस्य, चाहे नगर निगम के हों, चाहे दिल्ली विधान सभा के विरोधी पक्ष के नेता हों, उन सब ने खड़े होकर इस हमले का नेतृत्व किया है। 15 लोगों को पुलिस ने पकड़ा है।

महोदय, सबसे बड़ी बात यह है कि आर.एस.एस. को भी यह मालूम है कि इतना काम यदि खुलेआम करेंगे तो गलत हो जाएगा, इसलिए अपना झण्डा लेकर के नहीं आए थे, वे हिन्दू मंच के नाम पर आए थे। जितना गलत काम करते हैं, वह हिन्दू का नाम लेकर के क्यों करते त? हिन्दू जनता को क्यों बदनाम करते हैं? इससे हिन्दू का कोई लेना-देना नहीं है। खून करेंगे, मर्डर करेंगे, हिंसा करेंगे, राजनीति के कारण। इन्हें शर्म करनी चाहिए। अपना राजनीतिक झण्डा लेकर नहीं करते हैं, अपने संगठन का झण्डा लेकर नहीं करते हैं, हिन्दू मंच के नाम पर कर रहे हैं। मैं इसको कण्डैम करता हूं और मैं उम्मीद करता हूं कि इस संसद में उपस्थित सभी लोग, जो सत्य के पक्ष में हैं, हिंसा के विरोध में हैं, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की इस राजनीति *... का विरोध करेंगे, तभी यह लोकतंत्र बचा रहेगा।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : इस वर्ड को डिलीट कर दिया जाए।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Now, I am allowing Shri Madhusudan Mistry to speak.

*Not recorded.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): I gave the notice.

MR. SPEAKER : I will call you.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : We should have rather started it.

MR. SPEAKER : Very well, I am calling you now.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, सलीम साहब ने कल्ट ऑफ वॉयलैंस का जिक्र किया है। जो वॉयलैंस सीपीएम जहां-जहां पावर में आता है, * ... वहां इस तरह की...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठ जाइए। आप लोग क्यों बोल रहे हैं?

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : You have spoken. आप लोग क्यों खड़े हो गए हैं?

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Now, please do not disturb.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Except the submission of Prof. Malhotra, nothing else should be recorded.

*(Interruptions) *â€¦*

SHRI L.K. ADVANI (GANDHINAGAR): He must be allowed to speak.

MR. SPEAKER: He should be allowed to speak and I am asking him to speak.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down. What is going on here?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Why are you getting up? Only Prof. Malhotra's submission will be recorded and nothing else will be recorded.

*(Interruptions) *â€¦*

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, चार आदमियों का जिक्र कर रहे हैं कि

* Not recorded.

जख्मी हुए। भारतीय जनता पार्टी के और दूसरे 15 आदमी जख्मी हुए, जो कि अस्पताल में दाखिल हैं और उनके ऊपर...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is not fair. आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: We are talking of democratic rights. If we do not listen to each other, how are we practicing democracy? I am requesting you to listen to others.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You cannot disturb. If you disturb everybody, then nobody will be allowed to speak. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Mr. Salim, you should control your Members.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: What is happening here? This will not be allowed. Do not show it here. Mr. Gangwar, I am requesting you not to show it here. You know that it is not permitted under the rules.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Mr. Salim, I am requesting that your Members must control themselves. Please take your seat, otherwise I will ask you to go out.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You have to take your seat.

...(*Interruptions*)

12.14 hrs.

WITHDRAWAL OF MEMBER FROM THE HOUSE

MR. SPEAKER: Take your seat, Mr. Ram Kripal Yadav, otherwise I will ask you to go out.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : किनके ऊपर ज्यादा अत्याचार हुआ, किनके ऊपर अन्याय हुआ और पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई कैसे की? इसका मैं जिक्र करता हूं, परन्तु तीन-चार लोगों के घायल होने की यह बात कर रहे हैं, जबकि हमारे 15 आदमी घायल हुए हैं। *...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Prof. Malhotra, I will request you to restrict yourself to this subject. [r5]

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Reference to Kerala will be deleted.

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आजमी जी, आप बैठ जाइये।

MR. SPEAKER: What are you doing? Are you shutting your Party?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग हाउस चलाना चाहते हैं कि नहीं चाहते हैं, बोलिये? Do not record one word.

(Interruptions) â€¦*

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : *(Interruptions) *â€¦*

MR. SPEAKER: If you do not want this, I will adjourn the House.

â€¦(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : *(Interruptions)* â€¦*

MR. SPEAKER: Names of those who are showing posters will be noted down. I am again and again asking you not to show posters in the House and you are deliberately violating the Chair. Anybody showing posters in the House will have to face the consequences. You are deliberately violating the Chair. You should know the Rules.

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

---

* Not recorded.

MR. SPEAKER: Please do not refer to other States. Matters of other States cannot come in. No, I would not allow this. That is deleted. Reference to any other State will be deleted.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : जी हां। वहां जो कुछ हुआ, उसके विरोध में यहां पर शान्तिपूर्वक तरीके प्रदर्शन करने के लिए कुछ लोग सी.पी.एम. कार्यालय पर गये थे। परन्तु सी.पी.एम. कार्यालय में जाने के बाद...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग चुप कीजिए। आपकी क्या बात है?

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Please refer to the incident that happened here.

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have called Prof. Vijay Kumar Malhotra and only he is allowed to speak.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : सी.पी.एम. के दफ्तर से...(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव (पटना): ये लोग तो...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Mr. Ram Kripal Yadav, if you do not behave yourself, you will have to leave the House.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : वैसे ही, जैसे ही लोग वहां पर पहुंचे तो वहां के आफिस से, जहां पर कि पहले से, प्रीप्लांड तरीके से वहां पत्थर इकट्ठे करके रखे हुए थे। इन्होंने वहां से पथराव करना शुरू किया।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह क्या हो रहा है?

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उनके ऊपर पथराव किया गया...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Mr. Ram Kripal Yadav, now I formally ask you to go out of the House.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उन 15 लोगों में से मूलचन्द चावला के 6 टांके लगे, तीन आदमी बेहोश होकर पड़े रहे। कुल 15 आदमी उनमें से जेल में गये और वहां पर अस्पताल में उनको दाखिल करना पड़ा। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि सारी दिल्ली के जितने टी.वी. चैनल्स हैं, आपको वेलैंज है, टी.वी. चैनल्स को देखा जाये और उन टी.वी. चैनल्स में वहां दिखाया गया कि कैसे अन्दर से पत्थर फेंके जा रहे थे। जो एफ.आई.आर. वहां पर लोगों ने जाकर लॉज की, जो प्रत्यक्षदर्शी थे, जो वहां थे, उन्होंने वहां पर एफ.आई.आर. लिखाई और उस एफ.आई.आर. के अन्दर यह बताया कि

*(Interruptions)*â€¦*

कैसे वहां से पत्थर फेंके जा रहे थे। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: ठीक है। This is very wrong. What are you doing here, Mr. Ram Kripal Yadav? You have to leave the House. You are deliberately defying the Chair. Will you go out of the House? You have to go out of the House, if you interrupt.

12.19 hrs.

At this stage, Shri Ram Kripal Yadav left the House

*Not recorded.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : किनके ऊपर ज्यादा अत्याचार हुआ, किनके ऊपर अन्याय हुआ और पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई कैसे की? इसका मैं जिक्र करता हूं, परन्तु तीन-चार लोगों के घायल होने की यह बात कर रहे हैं, जबकि हमारे 15 आदमी घायल हुए हैं। *...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Prof. Malhotra, I will request you to restrict yourself to this subject. [r6]

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Reference to Kerala will be deleted.

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आजमी जी, आप बैठ जाइये।

MR. SPEAKER: What are you doing? Are you shutting your Party?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग हाउस चलाना चाहते हैं कि नहीं चाहते हैं, बोलिये? Do not record one word.

(Interruptions) â€¦*

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : *(Interruptions) *â€¦*

MR. SPEAKER: If you do not want this, I will adjourn the House.

â€¦(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : *(Interruptions)* â€¦*

MR. SPEAKER: Names of those who are showing posters will be noted down. I am again and again asking you not to show posters in the House and you are deliberately violating the Chair. Anybody showing posters in the House will have to face the consequences. You are deliberately violating the Chair. You should know the Rules.

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

* Not recorded.

MR. SPEAKER: Please do not refer to other States. Matters of other States cannot come in. No, I would not allow this. That is deleted. Reference to any other State will be deleted.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : जी हां। वहां जो कुछ हुआ, उसके विरोध में यहां पर शान्तिपूर्वक तरीके प्रदर्शन करने के लिए कुछ लोग सी.पी.एम. कार्यालय पर गये थे। परन्तु सी.पी.एम. कार्यालय में जाने के बाद...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग चुप कीजिए। आपकी क्या बात है?

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Please refer to the incident that happened here.

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have called Prof. Vijay Kumar Malhotra and only he is allowed to speak.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : सी.पी.एम. के दफ्तर से...(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव (पटना): ये लोग तो...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Mr. Ram Kripal Yadav, if you do not behave yourself, you will have to leave the House.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : वैसे ही, जैसे ही लोग वहां पर पहुंचे तो वहां के आफिस से, जहां पर कि पहले से, प्रीप्लांड तरीके से वहां पत्थर इकट्ठे करके रखे हुए थे। इन्होंने वहां से पथराव करना शुरू किया।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह क्या हो रहा है?

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उनके ऊपर पथराव किया गया...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Mr. Ram Kripal Yadav, now I formally ask you to go out of the House.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उन 15 लोगों में से मूलचन्द चावला के 6 टांके लगे, तीन आदमी बेहोश होकर पड़े रहे। कुल 15 आदमी उनमें से जेल में गये और वहां पर अस्पताल में उनको दाखिल करना पड़ा। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि सारी दिल्ली के जितने टी.वी. चैनल्स हैं, आपको चेलैंज है, टी.वी. चैनल्स को देखा जाये और उन टी.वी. चैनल्स में वहां दिखाया गया कि कैसे अन्दर से पत्थर फेंके जा रहे थे। जो एफ.आई.आर. वहां पर लोगों ने जाकर लॉज की, जो प्रत्यक्षदर्शी थे, जो वहां थे, उन्होंने वहां पर एफ.आई.आर. लिखाई और उस एफ.आई.आर. के अन्दर यह बताया कि

*(Interruptions)*â€¦*

कैसे वहां से पत्थर फेंके जा रहे थे। ...(व्यवधान)

12.19 hrs.

SUBMISSION BY MEMBERS-Contd.

RE:Reported attack on CPI(M)Central Committee Office in New Delhi

अध्यक्ष महोदय : मल्होत्रा साहब, एक मिनट।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह क्या मजाक हो रहा है? प्लीज़ कन्क्लूड।

आप बोलिये।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : मैं यह कह रहा था कि दो एफ.आई.आर. लिखाई गई। एक एफ.आई.आर. सी.पी.एम. के नेताओं ने लिखाई...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Reference to non-Members will be deleted.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उन सब लोगों को, जो वहां पर थे भी नहीं, कहीं भी नहीं थे, उनको पकड़कर, गिरफ्तार करके वहां पर पकड़ लिया गया। वहां पर उनको पुलिस थाने में ले गये, उनकी जमानत भी नहीं होने दी गई और ये हालात पैदा हुए। जो एफ.आई.आर. इधर से उनकी तरफ से लिखाई गई, उसमें किसी के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हुई। मैं इस बात का आरोप लगाना चाहता हूं, यहां होम मिनिस्ट्री, कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से सी.पी.एम. के दबाव में है[R7]।

सीपीएम के दबाव में आकर,* इसलिए होम मिनिस्ट्री ने पूरे तौर पर उनके ऊपर दबाव डाला, पुलिस के अधिकारियों पर और उन पर ऐसी शर्तें लगा दीं ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Prof. Malhotra, please conclude now.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : महोदय, मुझे दो मिनट चाहिए। उनके ऊपर इस प्रकार की शर्तें लगा दीं कि वहां पर उनकी जमानत भी न हो सके और उनको जेल के अंदर बंद रहना पड़े।

* Not recorded.

अध्यक्ष जी, ये कार्यालयों पर हमले के बारे में कह रहे हैं। *

MR. SPEAKER : Please do not refer to Kerala. I would not allow this. That is not to be recorded.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर तीन बार कांग्रेस पार्टी और कम्युनिस्टों ने हमला किया। *

MR. SPEAKER: If any party interrupts the others, I will see that their observations will be deleted totally. उसे टोटली एक्सपंज कर देंगे।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : भाजपा के कार्यालय पर गुजरात के दंगों के दौरान कितनी बार हमले हुए, कितनी बार वहां तोड़फोड़ की गयी, यह सब जानते हैं, परंतु भारतीय जनता पार्टी इसमें विश्वास नहीं करती। हिंसा में हमारा विश्वास नहीं है। हम लोग वहां पर शांतिपूर्वक गए थे, लेकिन उन पर हमला किया गया, इसलिए कार्यवाही उन पर होनी चाहिए थी। एकतरफा कार्यवाही करके और * यह अनुचित है।

MR. SPEAKER: No, Kerala will not be allowed. That will be deleted.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि उन लोगों को गिरफ्तार करके, उनके खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए, इसकी जुडीशियल इंक्वायरी कराइए। *

अध्यक्ष महोदय : आप अपनी बात कह चुके हैं।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: That will not be recorded.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : इसकी सीडी देखी जाए।

अध्यक्ष महोदय : आप बोल चुके हैं।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : सीपीएम के दफ्तर से कैसेट से निकालकर देखी जाए। यह सब उससे स्पष्ट हो जाएगा, परंतु एकतरफा कार्यवाही करना, निहायत ही गलत है। यूपीए के लोग मिलकर कम्युनिस्ट पार्टी के साथ कंडेम कर रहे हैं, ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बोल चुके हैं। रिपीट मत कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

* Not recorded.

MR. SPEAKER: Only Shri Madhusudan Mistry's submission will be recorded now.

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप सब को बुलायेंगे।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: If you think this matter is serious, let us treat it seriously.

श्री मधुसूदन मिस्त्री (साबरकंठा) : महोदय, आज के सभी प्रमुख अखबारों के अंदर आया है कि आरएसएस और बीजेपी के आदमियों ने सीपीएम के आफिस पर हमला किया, बिल्कुल कैटेगेरिकली ...(व्यवधान) मैं आपको बता रहा हूं। ...(व्यवधान) मैंने आपको डिस्टर्ब नहीं किया, तो आप क्यों बोल रहे हैं? आरएसएस और बीजेपी के आदमियों ने हमला किया। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप इनको बोलने दीजिए।

श्री मधुसूदन मिस्त्री : महोदय, गाड़ियां तोड़ी गयीं, पत्थर लाकर हमला किया गया। उनके बचाव के लिए उनकी पार्टी के नेता खड़े हुए, उससे बड़ी कोई शर्म की बात नहीं है। ...(व्यवधान) इससे भी ज्यादा शर्म की बात तो यह है कि जिस पार्टी ने अपना नेता घोषित कर दिया कि हमारी पार्टी सत्ता में आएगी, तो वे पीएम बनेंगे, उनकी ओर से अभी तक कोई बयान नहीं आया, इसे कंडेम करने के लिए। * ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not refer to other States. I have deleted it.

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जब मना कर दिया, तो आप क्यों चिल्लाते हैं?

â€¦(व्यवधान)

श्री मधुसूदन मिस्त्री : ये लोग कांग्रेस की बात कह रहे हैं, इसलिए हम भी कह रहे हैं। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will not allow this.

...(*Interruptions*)

---

* Not recorded.

SHRI MADHUSUDAN MISTRY : They have a character of violence. They all will be resorting to violence. They are enjoying immunity* They have not been booked. मैं बार-बार कहना चाहता हूं * ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : That will be deleted.

श्री मधुसूदन मिस्त्री : यह डिलीट नहीं होगा। ...(व्यवधान) इनकी सरकार ने * ...(व्यवधान) वहां जो हालात हुए ...(व्यवधान) इसलिए मैं यह कहना चाहता हूं कि इस देश को कि इस पार्टी का पूरा कैरेक्टर हिंसा का है, मारने का है, मारपीट करने का है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Reference to other States may be deleted.

श्री मधुसूदन मिस्त्री : झूठ बोलना कोई इनसे सीखे। ...(व्यवधान) अगर इनको हमला नहीं करना था, तो सीपीएम से हमेशा पचास फुट का फासला रखने वाले को उनके आफिस में जाने की क्या जरूरत थी?[p8]

उनके साथ इनकी दोस्ती कब से हो गई? वहां क्या करने गए थे?...(व्यवधान) आपके आदमी उनके यहां कोई अभिनन्दन देने गए थे, कुछ कहने गए थे या उनके साथ बैठकर कुछ समझौता करने गए थे? किसलिए गए थे?...(व्यवधान) पूरी पार्टी का कैरेक्टर लोगों के सामने रखा गया है।...(व्यवधान)

12.25 hrs.

At the stage Shri Syed Shahnawaj Hussain and some other hon'ble Members came and stood on the floor near the Table

श्री मधुसूदन मिस्त्री : *...(व्यवधान) और इन पर प्रतिबंध लगाना चाहिए।...(व्यवधान) यदि ऐसा नहीं किया गया तो इस देश में कभी शान्ति होने वाली नहीं है।...(व्यवधान) इसलिए मेरी मांग है...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I can only say this.

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह क्या हो रहा है?

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It is a matter of great sadness and sorrow for me; all of us have decided and agreed that all the parties will be allowed to speak. It is very

* Not recorded.

unfortunate that one of the major parties, after speaking, is not allowing others to speak. I condemn this attitude and I am very sorry to say this.

The House stands adjourned till quarter past one.

12.26 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Fifteen Minutes

past Thirteen of the Clock.

13.15 hrs.

The Lok Sabha re-assembled at Fifteen minutes past Thirteen of the Clock.

(Mr. Speaker *in the Chair*)

WITHDRAWAL OF MEMBERS FROM THE HOUSE-Contd.

MR. SPEAKER: Before the House adjourned I had asked Shri Ram Kripal Yadav to leave the House and he did leave the House. He has sent me a request expressing his regret and I have accepted it. Therefore, he may come back.

13.16 hrs.

SUBMISSION BY MEMBERS-Contd.

RE : Reported attack on CPI(M)

Central Committee Office in New Delhi

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे रिक्वैस्ट कर रहा था कि यह सारा मामला केरल से संबंधित है। ...(व्यवधान) असली घटना केरल की है इसलिए केरल के मामले को भी इस डिसकशन में इन्कलूड करना चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह मैटर इसमें नहीं आता। अभी स्पेशल मैंशन चल रहा है।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Let me handle the House. I do not want your help. Shri Krishnadas, I have not asked for your help. I am only requesting that this is a specific incident which has been mentioned. Other States cannot be brought into this matter. Other States' matters are also not permitted to be raised here.

Now, only Shri Mohan Singh's statement will go on record.

(Interruptions) â€¦*

* Not recorded.

अध्यक्ष महोदय : मोहन सिंह जी, आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : अध्यक्ष महोदय, मैं कल की घटना की घोर निंदा करता हूं। मुझे इस बात का बहुत खेद है कि एक जिम्मेदार पार्टी, जो भारत का मुख्य विपक्षी दल है, के कुछ लोग एक पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय के ऊपर इस तरह आक्रमण करें, तो यह निंदनीय कदम है। ...(व्यवधान) मैं इसकी घोर निंदा करता हूं। ...(व्यवधान)

13.16 Â½ hrs.

At this stage Shri Ashok Pradhan and some other hon'ble Members came and stood on the floor near the Table

MR. SPEAKER : I would like to have the names of all those Members who have come to the well of the House.

...(*Interruptions*)

श्री मोहन सिंह : अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात का अफसोस है कि लोकतंत्र में, उसकी जो बुनियाद है, मूलतः वह धीरे-धीरे खत्म हो रही है। मैं समझता था कि मल्होत्रा जी इस घटना की निंदा करेंगे, लेकिन निंदा करने के बजाय उन्होंने इसे स्वीकार किया और न केवल स्वीकार किया, बल्कि अपने साथियों का बचाव किया। ...(व्यवधान) ऐसी राजनीतिक पार्टी जो इस तरह के लोगों का बचाव करे...(व्यवधान) उसको राजनीतिक पार्टी नहीं कहा जा सकता। ...(व्यवधान) मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि ...(व्यवधान) हिन्दुस्तान के सारे लोकतांत्रिक तत्वों को मिलकर इस दोमुंही राजनीति की घोर निंदा करनी चाहिए। ...(व्यवधान) और ऐसे लोगो पर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। ...(व्यवधान) मैं भारत सरकार से मांग करना चाहता हं। ...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, जो घटना घटी है, वह घटना बिल्कुल निंदनीय है। ...(व्यवधान) यह बात प्रमाणित हो चुकी है कि वहां हमला हुआ है, लेकिन बीजेपी के लोगों ने पोस्टर दिखाकर कहा कि इधर के लोग भी जख्मी हैं। इस घटना की उच्चस्तरीय जांच करानी चाहिए और जो लोग दोषी हैं, उन पर कार्रवाई करनी चाहिए। अब किसी को प्रजातंत्र में अधिकार नहीं है कि किसी के कार्यालय में हमला करे।...(व्यवधान) वहां पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन हो रहा था या हमला हो रहा था, इसकी जांच होनी चाहिए और जांच करके कार्रवाई करनी चाहिए। ...(व्यवधान)

SHRI GURUDAS DASGUPTA (PANSKURA): Sir, I strongly condemn the attack on the CPI (M) Headquarters in Delhi. It is shameful that the same political Party which attacked the CPI (M) Office is today disturbing the House. A political Party should have the moral courage to defend their word not to disrupt the Parliament. It is a Party whose creed is violence and the violence of creed is a danger to democracy. I condemn the attack and I also condemn the disturbance created by them in the Parliament....(*Interruptions*) This is also vandalism.

SHRI C. KUPPUSAMI (MADRAS NORTH): The preplanned and brutal attack on the Headquarters of CPI (M), a national Party, and that too in the Capital of this country itself, is highly deplorable and condemnable in strongest terms.

These anti-democratic forces had earlier raised their ugly heads when they threatened our Leader, Dr. Kalaignar M. Karunanidhi, hon. Chief Minister of Tamil Nadu would be beheaded.

There is no place for such hooliganism in democracy. Our Leader Dr. Kalaignar has already condemned this shameless violence unleashed not only against CPI (M) but also against the democratic polity of this country.

Hence, on behalf of our leader, Dr. Kalaignar M. Karunanidhi and our Party, I appeal to the Government not to take a tolerant view but to take stern action, so that such hooliganists are suppressed forthwith.[R9]

कुमारी ममता बैनर्जी (कलकत्ता दक्षिण) : महोदय, कोई भी, किसी भी तरह का अटैक अगर किसी पार्लियामेंट्री, डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशन पर होता हो तो हमें उसका सपोर्ट नहीं करना चाहिए क्योंकि देश की एक गणतांत्रिक और लोकतांत्रिक परम्परा है। जो लोकतांत्रिक परम्परा होती है, उसमें पोलिटिकल पार्टीज, चाहे वह रूलिंग पार्टी हो या अपोजिशन पार्टी, उसके हेडक्वार्टर्स या लोकल ऑफिस पर अटैक नहीं किया जाता है। सीपीएम ऑफिस पर जो हमला हुआ, हम उसका सपोर्ट नहीं करते हैं, लेकिन इसके साथ ही मैं

* Not recorded.

यह भी कहना चाहूंगी कि ऐसे बहुत सारे अटैक्स हमारे बहुत से पार्टी ऑफिसेज पर हुए हैं।...(व्यवधान) ऐसा बहुत बार हुआ है। *...(व्यवधान) वह भी नहीं होना चाहिए। The CPM should also know the democratic *parampara*...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : यह बात रिकॉर्ड पर नहीं जाएगी।

मोहम्मद सलीम : महोदय, ये लोग यहां क्या कर रहे हैं?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You refer to this matter.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Mamtaji, I have allowed you to speak.

कुमारी ममता बैनर्जी : महोदय, मैं ऐसी बातों को पसन्द नहीं करती हूं। इस बात से हम लोगों को भी शिक्षा लेनी चाहिए और अन्य लोगों द्वारा भी ऐसा अटैक नहीं होना चाहिए। लोगों की जिन्दगी पर जो अटैक होता है, वह भी नहीं होना चाहिए। लोगों की जिन्दगी के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए, आम जनता पर भी अटैक नहीं होना चाहिए जैसा कि अभी हो रहा है। This House should pass a resolution that we must maintain the political system. We must protect the democratic system, the fundamental rights, life and liberty of the people. They cannot attack anybody just because they are in power. The House should pass a resolution for protecting the democratic rights of the people....(*Interruptions*)

श्री राम कृपाल यादव : महोदय, देश के इतिहास में 60 वर्षों की आजादी के बाद शायद यह पहली घटना है जब बीजेपी और आरएसएस के लोगों के द्वारा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यालय पर हमला हुआ। यह हमला मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी पर हमला नहीं है, इसे मैं लोकतंत्र पर हमला मानता हूं।...(व्यवधान) इनका यह कैरेक्टर पहले भी रहा है। * ...(व्यवधान) इस तरह का विचार और बर्ताव इनका पहले से ही रहा है, रही-सही गुंजाइश इस घटना से पूरी हो गयी है। अगर इसी तरह का ट्रेंड चलता रहेगा तो कोई लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं बचेगी। हिन्दुस्तान की जो अपनी खूबसूरती रही है, हिन्दुस्तान का जो अपना इतिहास रहा है, जिस लोकतंत्र के लिए न जाने कितने लोगों ने शहादत दी, उस लोकतंत्र पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा हमला करके इतिहास को कलंकित करने का काम किया गया है।...(व्यवधान) यह देश के लोकतंत्र और संविधान पर हमला है। मैं मांग करता हूँ कि ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही की जानी चाहिए।...(व्यवधान)

श्री इलियास आज़मी (शाहाबाद) : महोदय, सीपीएम पार्टी ऑफिस पर जिस तरह की गुंडागर्दी हुई, मैं उसकी घोर निंदा करता हूँ। जब मल्होत्रा जी बोलने के लिए खड़े हुए तो मैं यह समझता था कि मल्होत्रा जी इसको आईएसआई का कारनामा बताएंगे, लेकिन जब वे बोल रहे थे तो मैं सोच रहा था कि क्या कोई इंसान इतना ढीठ भी हो सकता है, इतनी जबर्दस्ती की बात भी कह सकता है। सवाल यह है कि उनके जो 15 या 25 आदमी जख्मी हुए, वे वहां क्या करने गए थे? क्या वे वहां दावत खाने गए थे? वे वहां सिर्फ हमला करने के लिए ही गए थे, वहां अटैक करने गए थे। मैं कहना चाहता हूँ कि अगर अकेले मेरे घर पर 50 आदमी हमला करें तो मुझे सेल्फ डिफेंस का राइट है, ऐसे में अगर उन 50 आदमियों पर मैं भी हमला करूं तो मुझे इसका राइट है। हो सकता है कि हमलावरों में भी कुछ लोग जख्मी हुए हों। [R10]

इसलिए कल जो वाक्या हुआ, मैं उसकी निंदा करता हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: श्री संतोष गंगवार बोलेंगे।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपकी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य बोल रहे हैं, कृपया अपनी-अपनी सीट्स पर जाएं।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : They are co-operating. Why are you objecting? He is a very senior and respected leader.

...(*Interruptions*)

श्री संतोष गंगवार (बरेली) : लोकतांत्रिक व्यवस्था में हाउस का किसी एक दल को कंडेम करने के लिए कोई पार्टी इस्तेमाल करे, यह हम नहीं होने देंगे। इस सदन में अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों पर अत्याचार की घटनाओं पर चर्चा होती है...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : हमें मौका नहीं दिया गया।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग एक-एक करके बोलें।

...(व्यवधान)

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण-मध्य) : अध्यक्ष जी, बहुत दुर्भाग्य की बात और बड़ी रिडिक्युल बात है। जो आज चल रहा है, जब अपने घर में ये ऐसा करते हैं तो कोई बात नहीं होती...(व्यवधान)

मोहम्मद सलीम : ये कभी खामोश हो जाते हैं और कभी शोर करते हैं...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: आप बैठ जाएं। I will not allow anything.

श्री मोहन रावले : यह कौन सा लोकतंत्र है कि मैं अपने घर में तो ऐसी बात करूं और बाहर दूसरी बात करूं...(व्यवधान)

SHRI K. FRANCIS GEORGE (IDUKKI): Sir, what happened at the CPI(M) headquarters is most unfortunate and unforgivable. The principal Opposition Party has gone mad. They are attacking each and every political party and the minorities in this country. The principal opposition party in a democratic set up has no right to be now called as the principal opposition party because they do not have any respect for the rights of others. We should all condemn it. Their own alliance partners have condemned this act. In most unequivocal terms I strongly condemn this act and ask them to apologise for this...(*Interruptions*)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY (PURI): Sir, any type of attack on any political party cannot be appreciated. It is not good for the development of democracy and it will not help in strengthening democracy. The police atrocities against political workers are very much deplorable and condemnable. The police should know how to behave with political workers...(*Interruptions*) They were behaving with political workers as used to happen during the British *raj.* The police were behaving with the political workers in the same manner even after Independence. So, they need to change their attitude towards handling political workers in free India...(*Interruptions*) They should not attack political workers. So, I condemn the action of the police who are working against the political workers...(*Interruptions*) Political parties should act in a responsible manner. I condemn such violent acts of the political parties and also the atrocities committed by the police against the political workers....(*Interruptions*)

SHRI M.P. VEERENDRA KUMAR (CALICUT): Sir, condemn the attack on the AKG Bhavan, the CPI(M) headquarters at New Delhi. They should understand that by such acts of violence they will only destroy the democratic polity. They should not forget that

violence is no solution to settle difference. I strongly condemn this incident and all democracy loving people should join together to condemn this dastardly act which smacks fascism and it does augur well neither for democracy nor for this country. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let the Government respond now if they have anything to say. I have not compelled them to say anything. They are willing to respond. [R11]

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Sir, I will not take more than a minute. ...(*Interruptions*) Most respectfully, I would like to submit that I will not take more than a minute if the hon. Members go back to their seats to listen to me. ...(*Interruptions*) Then they will have nothing to complain about....(*Interruptions*)

Sir, in a democracy, political parties are an integral part of the system. Therefore, any assault on any political party is not acceptable. The incident of violence and vandalism at the CPI(M) Party Office at New Delhi yesterday is deplorable. Government is aware of the matter and investigation is going on. As and when investigation is over, Government will be in a position to share the outcome of it with the House. ...(*Interruptions*)